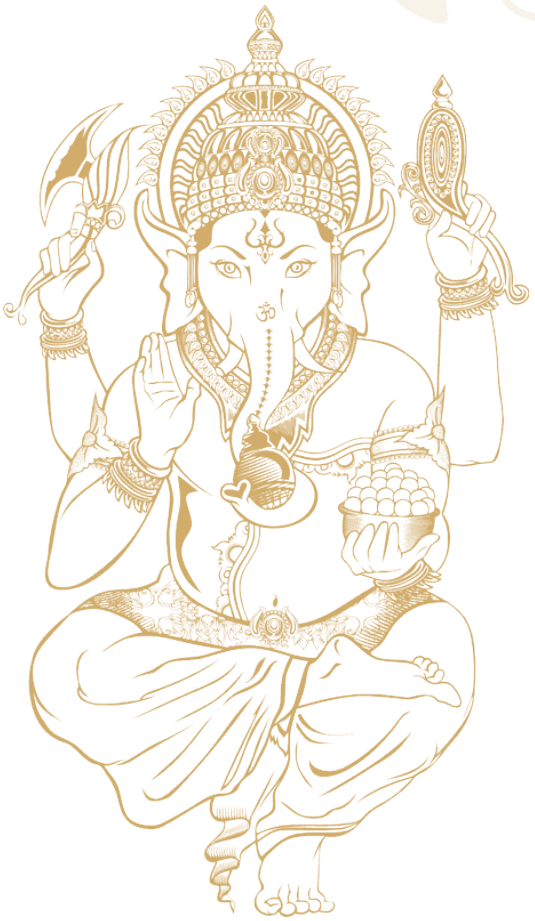

20 Dec 2025

01:45 PM

Chachora

Model: web-freekundliweb

Order No: 120930003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/12/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:45:00 घंटे**
इष्ट	16:50:48 घटी
स्थान	**Chachora**
देश	India

अक्षांश	24:10:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:22:56 घंटे
वेलान्तर	00:02:24 घंटे
साम्पातिक काल	19:19:37 घंटे
सूर्योदय	07:00:40 घंटे
सूर्यास्त	17:38:57 घंटे
दिनमान	10:38:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:28:18 धनु
लग्न के अंश	02:14:10 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	गण्ड
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	02:14:10	462:56:33	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	04:28:18	01:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	07:28:42	12:04:44	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	धनु	09:34:52	00:45:29	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	17:07:10	01:25:55	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	28:34:18	00:06:49	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	00:18:52	01:15:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
शनि			मीन	01:22:32	00:02:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	17:39:17	00:13:29	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	17:39:17	00:13:29	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:05:26	00:02:04	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:10:46	00:00:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:09:36	00:01:39	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	24:09:27	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:16

लग्न-चलित

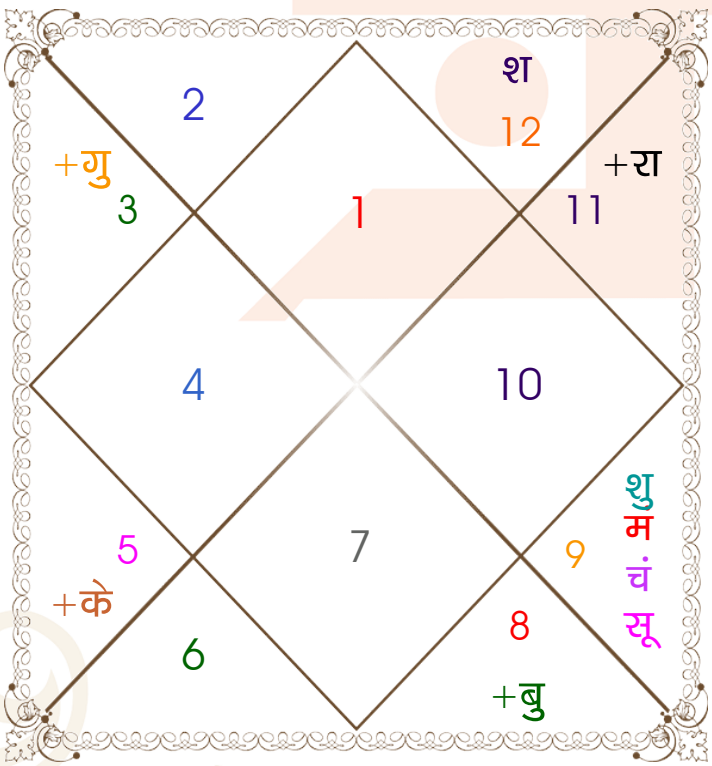

चन्द्र कुंडली

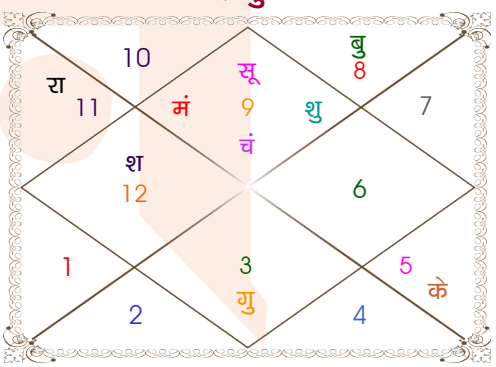

नवमांश कुंडली

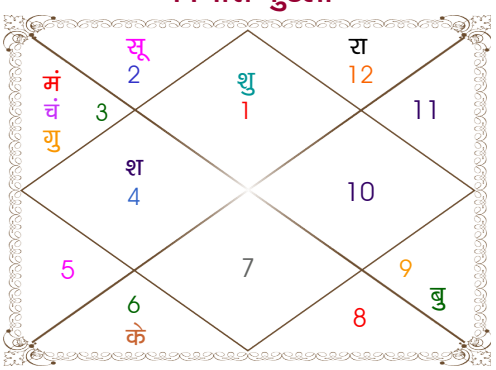

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 0 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/12/2025		16/01/2029		16/01/2049		16/01/2055		16/01/2065	
16/01/2029		16/01/2049		16/01/2055		16/01/2065		17/01/2072	
	00/00/0000	शुक्र	17/05/2032	सूर्य	05/05/2049	चंद्र	17/11/2055	मंगल	14/06/2065
	00/00/0000	सूर्य	18/05/2033	चंद्र	04/11/2049	मंगल	17/06/2056	राहु	02/07/2066
	00/00/0000	चंद्र	16/01/2035	मंगल	12/03/2050	राहु	17/12/2057	गुरु	08/06/2067
	00/00/0000	मंगल	17/03/2036	राहु	04/02/2051	गुरु	18/04/2059	शनि	17/07/2068
	20/12/2025	राहु	18/03/2039	गुरु	23/11/2051	शनि	16/11/2060	बुध	14/07/2069
राहु	04/01/2026	गुरु	16/11/2041	शनि	04/11/2052	बुध	17/04/2062	केतु	11/12/2069
गुरु	11/12/2026	शनि	16/01/2045	बुध	10/09/2053	केतु	16/11/2062	शुक्र	10/02/2071
शनि	20/01/2028	बुध	17/11/2047	केतु	16/01/2054	शुक्र	17/07/2064	सूर्य	18/06/2071
बुध	16/01/2029	केतु	16/01/2049	शुक्र	16/01/2055	सूर्य	16/01/2065	चंद्र	17/01/2072

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/01/2072		16/01/2090		17/01/2106		17/01/2125		17/01/2142	
16/01/2090		17/01/2106		17/01/2125		17/01/2142		00/00/0000	
राहु	29/09/2074	गुरु	05/03/2092	शनि	20/01/2109	बुध	15/06/2127	केतु	15/06/2142
गुरु	21/02/2077	शनि	17/09/2094	बुध	30/09/2111	केतु	12/06/2128	शुक्र	15/08/2143
शनि	29/12/2079	बुध	22/12/2096	केतु	08/11/2112	शुक्र	13/04/2131	सूर्य	21/12/2143
बुध	18/07/2082	केतु	28/11/2097	शुक्र	08/01/2116	सूर्य	17/02/2132	चंद्र	21/07/2144
केतु	05/08/2083	शुक्र	30/07/2100	सूर्य	20/12/2116	चंद्र	18/07/2133	मंगल	17/12/2144
शुक्र	05/08/2086	सूर्य	19/05/2101	चंद्र	22/07/2118	मंगल	16/07/2134	राहु	21/12/2145
सूर्य	30/06/2087	चंद्र	18/09/2102	मंगल	31/08/2119	राहु	01/02/2137		00/00/0000
चंद्र	29/12/2088	मंगल	24/08/2103	राहु	07/07/2122	गुरु	10/05/2139		00/00/0000
मंगल	16/01/2090	राहु	17/01/2106	गुरु	17/01/2125	शनि	17/01/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 0 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाली, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाली, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाली अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाली हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाली, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाली, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाली तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाली स्त्री हैं। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाली शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाली हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाली हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहती हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाती हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि की प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहती हैं। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेती हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझती हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझती हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेती हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करती हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करती हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करती हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करती हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करती तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहती हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहती हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करती हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करती हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहती। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाली कामुक स्त्री हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहती हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगी।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना की शिकार होंगी। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहीं तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगी। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुकी हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखती हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करती हैं।

आपके लिए विधि कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकती हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।